हिंदी दैनिक

न्यूज़ वायरस

वर्ष : 10 अंक : 295 | देहरादून, बुधवार, 25 मई, 2022 | मूल्य : एक रुपया | पृष्ठ : 08

विजयवर्गीय की धमक और धामी की हामी से पहाड़ में पस्त हुए केजरीवाल : भूपेश उपाध्याय

6

बारिश-बर्फबारी के कारण दूसरे दिन भी चार धाम यात्रा बाधित

शून्य से नीचे तापमान, यात्रियों ने लिया अलाव का सहारा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

रुद्रप्रयाग। बारिश और बर्फबारी ने दूसरे दिन भी चारधाम यात्रा में व्यवधान डाला। पैदल ट्रैक पर चोटिल होने के खतरे को देखते हुए केदारनाथ और यमुनोत्री धाम की यात्रा मंगलवार को आधे दिन ही चल पाई। इन धामों में दर्शन के लिए जाने वाले करीब 12 हजार श्रद्धालुओं को पड़ावों पर ही रोका गया है। इन्हें बुधवार सुबह आगे की यात्रा के लिए रवाना किया जाएगा।

बदरीनाथ और गंगोत्री धाम की यात्रा सुचारु रूप से चली। धुंध की वजह से केदारनाथ धाम के लिए हेली सेवाएं भी पूरे दिन ठप रहीं। सुबह के वक्त केवल तीन ही उड़ान हो पाईं। हेली सेवाओं के सहायक नोडल अधिकारी सुरेंद्र सिंह पंवार के मुताबिक केदारनाथ के लिए प्रतिदिन तीन सौ से अधिक उड़ानें होती हैं। इनसे लगभग दो हजार श्रद्धालु धाम पहुंचते हैं।

बारिश के कारण यात्रा मार्गों पर श्रद्धालुओं की दिक्कतें बनी हुई हैं। बावजूद इसके आस्था की डगर पर हर दिन हजारों लोग पग भर रहे हैं। दो दिनों से बारिश का यात्रा पर असर देखा जा रहा है। श्रद्धालुओं की संख्या भी कुछ कम हुई है। केदारनाथ धाम में सुबह नौ बजे बारिश और बर्फबारी शुरू हुई, जो दोपहर एक बजे तक चली। सुबह अलग-अलग चरणों में पड़ावों से करीब दस हजार श्रद्धालुओं को धाम के लिए रवाना किया गया, लेकिन बारिश को देखते हुए दोपहर 12 बजे करीब आठ हजार यात्रियों को पड़ावों पर ही रोक दिया गया।

एहतियातन गौरीकुंड से घोड़ा व खच्चरों की आवाजाही भी रोक दी गई। दोपहर तक केवल पैदल तीर्थयात्रियों को पड़ावों तक जाने की अनुमति दी गई। दर्शन कर लौट रहे श्रद्धालुओं को भी सुरक्षित स्थानों पर ठहराया गया। इससे जंगलचट्टी, भीमबली, लिनचोली बेस कैंप में तीर्थयात्रियों की ज्यादा भीड़ रही। रुद्रप्रयाग के जिलाधिकारी मयूर दीक्षित के अनुसार बारिश थमने पर बुधवार श्रद्धालुओं को पड़ावों से आगे भेजा जाएगा। एसडीआरएफ, एनडीआरएफ, पुलिस को अलर्ट मोड पर रखा गया है।

बारिश के चलते यमुनोत्री धाम की यात्रा दोपहर 12 बजे तक ही चल पाई। इसके बाद करीब चार हजार यात्रियों को जानकीचट्टी व अन्य पड़ावों पर ही रोक दिया गया। धाम से दर्शन करने वालों को लौटनी की अनुमति दी गई। रानाचट्टी में भूधंसाव के खतरे को देखते हुए बड़े वाहनों को बड़कोट से आगे नहीं बढने दिया गया। छोटे वाहनों की आवाजाही सुचारु रही। हेमकुंड साहिब दर्शन को जा रहे एक श्रद्धालु पहाड़ी से गिरे पत्थर की चपेट में आकर घायल हो गया। बदरीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग पर जोगीधारा के पास बाइक सवार इस श्रद्धालु के सिर पर गंभीर चोटें आई हैं। उसकी पहचान मौला निवासी लखनौर मोहाली चंडीगढ़ के रूप में हुई है।

केदारनाथ में लगातार मौसम खराब हो रहा है। जिसका सबसे बुरा असर हवाई सेवाओं पर पड़ रहा है। पिछले दो दिन में 95 प्रतिशत हवाई सेवाएं निरस्त हुई। वहीं हेली से बाबा के दर्शन करने जाने वाले यात्रियों के टिकट हेली सेवा प्रदाता कंपनियां निरस्त कर रही है। जिससे यात्री बिना दर्शन के ही वापस लौटने को मजबूर हैं। प्रतिदिन औसतन 30 प्रतिशत उड़ाने कैंसिल हो रही है। केदारनाथ में यात्रा शुरू होने के बाद से ही मौसम का मिजाज लगातार बदल रहा है। घने बादल छाने के साथ ही बारिश भी हो रही है। पिछले दो दिनों की बात करें तो मंगलवार व सोमवार को 95 प्रतिशत उड़ाने निरस्त हुई। मौसम खराब होने से यात्री बारिश में भीग रहे हैं और ठंड से बीमार भी पड़ रहे हैं। केदारनाथ के लिए रोजाना औसतन तीन सौ उड़ानों की बुकिंग यात्रियों ने की हुई है।

नौ हेली सेवा प्रदाता कंपनियां ढाई सौ उड़ान भरती हैं। पिछले दो दिन में मात्र पांच प्रतिशत उड़ाने ही हुई, जबकि 95 प्रतिशत उड़ाने निरस्त हुई। लगभग ढाई सौ यात्री हेली टिकट बुकिंग के बाद भी केदारनाथ हेली सेवा से नहीं पहुंच पा रहे हैं। इन सभी यात्रियों के टिकट हेली कंपनियां कैंसिल कर रही है। केदारनाथ के लिए रोजाना औसतन डेढ़ हजार से दो हजार यात्री हेली सेवा से दर्शनों को पहुंच रहे हैं। टिकट कैंसिल होने पर कई यात्री पैदल मार्ग से ही बाबा के दर्शनों को पहुंच रहे हैं। जबकि कई यात्री बिना दर्शन के ही वापस लौट रहे हैं। बुकिंग कैंसिल होने से हेली कंपनियों के दफ्तरों में भी यात्री खूब हंगामा काट रहे हैं। लेकिन, मौसम की मार के चलते बुकिंग निरस्त करना ही एक मात्र विकल्प है।

केदारनाथ में हेली सेवा के सहायक नोडल अधिकारी एसएस पंवार ने बताया कि रोजाना तीस प्रतिशत उड़ाने निरस्त हो रही है। मौसम केदारनाथ में लगातार खराब हो रहा है। जिस कारण यह समस्या आ रही है। उन्होंने कहा कि यात्रियों के टिकट कैंसिल किए जा रहे हैं। ताकि दूसरे दिन अव्यवस्था न हो।

लक्ष्य सेन पर धनवर्षा : सीएम ने दिए 25 लाख ग्राफिक एरा ने की 41 लाख रुपये देने की घोषणा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून। 73 साल बाद थामस कप जीतकर विश्वभर में भारत का मान बढ़ाने वाली बैडमिंटन टीम के प्रमुख सदस्य लक्ष्य सेन ने युवाओं को संदेश देते हुए कहा कि युवा खुद पर विश्वास रख अपने लक्ष्य की ओर बढ़ें, तय समय पर सफलता जरूर मिलेगी। थामस कप जीतने की लक्ष्य की उपलब्धि पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने उन्हें 15 लाख रुपये का चेक देकर सम्मानित किया।

इसके अलावा मुख्यमंत्री ने आल इंग्लैंड टूर्नामेंट में रजत पदक जीतने पर लक्ष्य को दस लाख रुपये का चेक भी दिया। जबकि ग्राफिक एरा डीम्ड यूनिवर्सिटी ने लक्ष्य को सम्मान स्वरूप 41 लाख रुपये देने की घोषणा की। इसमें से उन्हें ग्यारह लाख रुपये का चेक दिया गया। जबकि अगले तीन साल तक दस-दस लाख रुपये देने की घोषणा की गई।

मंगलवार को ग्राफिक एरा डीम्ड यूनिवर्सिटी परिसर में लक्ष्य सेन ने बैडमिंटन कोर्ट का उद्घाटन किया। इसके बाद आयोजित सम्मान समारोह में ग्राफिक एरा परिवार ने लक्ष्य सेन को उनकी

उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया। लक्ष्य के साथ उनके पिता व कोच डीके सेन, माता निर्मला सेन, उत्तरांचल स्टेट बैडमिंटन संघ के सचिव बीएस मनकोटी को भी सम्मानित किया गया।

इस दौरान लक्ष्य सेन ने कहा कि हमें अपने सपने को पूरा करने के लिए पूरी क्षमता से जुटना चाहिए। उन्होंने ग्राफिक एरा विवि का धन्यवाद किया। ग्राफिक एरा ने लक्ष्य को हायर एजुकेशन के लिए आफर किया है। आगामी सत्र से लक्ष्य ग्राफिक एरा से एमबीए कर सकते हैं। ग्राफिक एरा ग्रुप के अध्यक्ष डा. कमल घनशाला ने कहा कि ग्राफिक एरा राज्य का सबसे बड़ा विवि है, इस नाते हमारा दायित्व है कि राज्य की प्रतिभाओं को सम्मानित कर आगे बढने के लिए प्रेरित करें। उन्होंने लक्ष्य को आगामी ओलिंपिक में देश के लिए स्वर्ण पदक जीतने के लिए प्रेरित किया। अंतरराष्ट्रीय शटलर लक्ष्य सेन ने कहा कि हमारी टीम की सकारात्मक सोच ने हमें थामस कप जिताया है। इसके लिए उनकी पूरी टीम बधाई की पात्र है। हालांकि, इतने बड़े मंच पर खुद को साबित करने और पहले के दो मुकाबले चुनौतीपूर्ण होने से दबाव बढ़ गया था। लक्ष्य ने कहा कि 72 साल बाद थामस कप पर विजय देश के साथ भारतीय बैडमिंटन के लिए भी बड़ी उपलब्धि है।

हृदयाघात से केदारनाथ व यमुनोत्री में पांच की मौत, चारों धाम में अब तक 74 तोड़ चुके दम

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तरकाशी। चारधाम में हृदयाघात से मरने वाले यात्रियों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। मंगलवार को ही केदारनाथ में हृदयाघात से चार तीर्थयात्रियों की भी मौत हुई है। केदारनाथ धाम में हृदयाघात से दम तोड़ने वाले श्रद्धालुओं की कुल संख्या अब 34 हो गई है।

चारधाम में श्रद्धालुओं की मौत का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा। मंगलवार को केदारनाथ में हृदयाघात से फिर चार और यमुनोत्री में एक श्रद्धालु की मौत हो गई। इसी के साथ केदारनाथ में अब तक 33 और यमुनोत्री में 20 श्रद्धालु.दम तोड़ चुके हैं। जबकि चारों धाम में यह संख्या 74 पहुंच गई है।

जानकारी के अनुसार मंगलवार को जिन श्रद्धालुओं ने केदारनाथ में दम तोड़ा, उनमें प्रताप नगर (उत्तर प्रदेश) निवासी रविंद्रनाथ मिश्रा (56), औरंगाबाद (महाराष्ट्र) निवासी अनिता राय सिंधे (65), मध्य प्रदेश निवासी मानकुंवर नागर (60) और नथावडा (राजस्थान) निवासी लता कमावत (56) शामिल हैं। उधर, सिंधवा (मध्य प्रदेश) निवासी विनायक गुलाब राव मांडवे की मौत यमुनोत्री दर्शनों को जाते हुए हुई। चिकित्सकों ने सभी की मौत का कारण हृदयाघात आना बताया।

चारधाम यात्रा के दौरान गंगोत्री, यमुनोत्री धाम सहित उत्तरकाशी व अन्य चारधाम यात्रा पड़ाव पर सफाई व्यवस्था चरमरा गई है। स्वच्छता की व्यवस्था को सुचारू बनाने के लिए जिलाधिकारी अभिषेक रूहेला ने मंगलवार को होटल व्यवसायियों, व्यापारियों, टैक्सी यूनियन के साथ बैठक की। जिलाधिकारी ने सभी होटेलियर्स व व्यापार मंडल के पदाधिकारियों से कहा कि तीर्थ यात्रियों के साथ अतिथि देवो भवः का व्यवहार किया जाए। साथ ही उन्हें शहर व सड़क मार्ग की स्वच्छता में अपना योगदान देने के लिए प्रेरित किया जाए। अमूमन तीर्थ यात्री होटल व धर्मशालाओं में ही रुकते है इसलिए यात्रा को स्वच्छ व निर्मल बनाने के लिए यात्रियों से जरूर बातचीत करें।

पुलिस भर्ती में बड़ी संख्या में आगे आई पहाड़ की बेटियां : प्रदीप राय, एसएसपी अल्मोड़ा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड में पुलिस भर्ती के लिए फिजिकल एग्जाम में बड़ी तादात में युवा शामिल हुए। खास बात ये हैं कि अल्मोड़ा पुलिस लाइन परिसर में आयोजित हुई इस पुलिस भर्ती प्रक्रिया में बड़ी तादाद में पहाड़ की बेटियां भी शामिल हो रही हैं। फिजिकल टेस्ट के दौरान जिस तरह से पूजा , सपना , कविता और ममता का जज्बा नजर आ रहा है वह हौसला बढ़ाने वाला है । यह कहना है अल्मोड़ा के तेजतर्रार एसएसपी प्रदीप कुमार राय का ।

आपको बता दें कि उत्तराखंड पुलिस के बेहद संवेदनशील और जनता के बीच पुलिस की छवि को नए-नए तरीकों से मित्र पुलिस बनाने वाले एसएसपी प्रदीप कुमार राय इसके पहले उत्तरकाशी में भी अपराधियों और अपराध के लिए बेहद कड़े और बड़े फैसले लेकर मशहूर हो चुके हैं। बीते दिनों जब उन्हें अल्मोड़ा पुलिस की कमान संभाली दी गई तो उन्होंने सबसे पहले जनता के बीच पुलिस की छवि को संवारना , ड्रग्स और नशे के जाल को तोड़ना, रैश ड्राइविंग और शराबियों को सबक सिखाने के लिए छापामार पुलिसिंग को बढ़ावा दिया।

जिसका नतीजा है कि बीते 15 दिनों में अल्मोड़ा पुलिस पर्यटकों और स्थानीय लोगों के बीच मित्रवत व्यवहार और अपराधियों के बीच खौफ का पर्याय बन गई है।

इसी बीच प्रदेश में पुलिस भर्ती के लिए प्रक्रिया शुरू हुई और बड़ी तादाद में पहाड़ के युवा खाकी वर्दी पहनने के लिए पुलिस लाइन में पसीना बहाते नज़र आये। न्यूज़ वायरस टीम ने अल्मोड़ा का दौरा किया और देखा कि अल्मोड़ा के पुलिस लाइन में भी बीते कुछ दिनों से नजारा बेहद रोमांचक और उत्साहजनक बना हुआ है । न्यूज़ वायरस के कार्यकारी संपादक आशीष तिवारी से खास बातचीत में एसएससी प्रमोद राय ने कहा कि वर्दी के जज्बे और खाकी पहनकर समाज की सेवा करने के लिए बड़ी तादाद में युवाओं के साथ नारी शक्ति भी कदम से कदम मिलाकर अपनी काबिलियत साबित कर रही है। ऐसे में आयोजित हो रही पुलिस भर्ती अभियान को पारदर्शी और निष्पक्ष बनाना एसएसपी अल्मोड़ा प्रदीप कुमार राय अपनी सबसे बड़ी प्राथमिकता और जिम्मेदारी बताते हैं।

यही वजह है कि पुलिस आरक्षी शारीरिक दक्षता परीक्षा में एसएसपी राय ने स्वयं मैदान में उतरकर भर्ती प्रक्रिया को अपनी देख-रेख में शुरू किया और खराब मौसम , बारिश के बीच चुनौती भरे माहौल में भी प्रतिभागियों को हर ज़रूरी सुविधा उपलब्ध कराते हुए उन्हें कामयाबी के लिए शुभकामना दी ।

एसएसपी प्रदीप कुमार राय ने 15 मई से प्रारम्भ हुई उत्तराखण्ड पुलिस आरक्षी शारीरिक मानक/दक्षता परीक्षा को निष्पक्ष एवं पारदर्शी बनाने भर्ती प्रक्रिया में लगे सभी अधिकारी/कर्मचारी गणों को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि भर्ती प्रक्रिया में दी गई जिम्मेदारियों का ईमानदारीपूर्वक निर्वहन करेगें , किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जायेगी।

भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता लाने के लिए एसएसपी प्रदीप कुमार राय ने शारीरिक दक्षता परीक्षा की सभी स्पर्धाओं की विडियोग्राफी भी करायी और मेडिकल , पेयजल और ज़रूरी सुविधा देते हुए सभी महिला/पुरूष द्वारा जोश एवम उत्साह को उत्तराखंड पुलिस के सुनहरे भविष्य का इशारा बताया है। इसके पहले आप को बता दें कि शारीरिक दक्षता/मानक परीक्षा में कुल 400 अभ्यर्थियों (महिला/पुरुष) द्वारा प्रतिभाग किया जाना था , शारीरिक दक्षता/मानक परीक्षा में 206 (महिला/पुरुष) अभ्यर्थी सफल व 52 (महिला/पुरुष) अभ्यर्थी असफल हुए थे।

उत्तराखंड में पेट्रोल और डीजल के दाम घटे, जानें अपने शहर के रेट

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून केंद्र सरकार ने पेट्रोल डीजल पर केंद्रीय उत्पाद शुल्क घटाकर आमजन को राहत दी है. केंद्र सरकार के इस फैसले के बाद देहरादून में आज पेट्रोल 95.22 रुपये प्रति लीटर है. डीजल 90.26 रुपये प्रति लीटर के हिसाब से बिक रहा है. सोमवार को देहरादून में पेट्रोल के दाम 95.25 रुपये प्रति लीटर और डीजल के दाम 90.31 रुपये प्रति लीटर थे. यानी पेट्रोल 3 पैसे प्रति लीटर और डीजल 5 पैसे प्रति लीटर सस्ता हुआ है.

इसी तरह हरिद्वार में आज पेट्रोल 94.39 रुपये प्रति लीटर है. डीजल 89.50 रुपये प्रति लीटर बिक रहा है.

सोमवार को पेट्रोल के दाम 94.30 रुपए प्रति लीटर और डीजल के दाम 89.42 रुपए प्रति लीटर था. तो ऐसे में पेट्रोल 9 पैसे और डीजल 8 पैसे महंगा हुआ है.वहीं, कुमाऊं की बात करें तो

हल्द्वानी और रुद्रपुर में पेट्रोल डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है. हल्द्वानी में पेट्रोल 94.46 रुपये प्रति लीटर तो डीजल 89.58 रुपए प्रति लीटर बिक रहा है. वहीं, रुद्रपुर में पेट्रोल 93.62 रुपये प्रति लीटर तो डीजल 89.75 रुपये प्रति लीटर बिक रहा है.

एसपी श्वेता चौबे ने अपनों को मिलाने के लिए श्री बद्रीनाथ धाम में खोला खोया पाया केन्द्र

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

पुलिस अधीक्षक चमोली एसपी श्वेता चौबे के निर्देशन में यात्रियों की सहायता हेतु श्री बद्रीनाथ धाम में खोया-पाया केंद्र स्थापित किया गया है, जिसमें 24 घण्टे चमोली पुलिस के जवान श्रद्धालुओं की सहायतार्थ नियुक्त किये गए हैं।

पुलिस अधीक्षक श्वेता चौबे द्वारा खोया-पाया केन्द्र पर नियुक्त पुलिस कर्मियों को यात्रियों से सम्बन्धित महत्वपूर्ण सूचनाएं लाउडहेलर के माध्यम से लगातार अनाउंस करवाने के निर्देश दिये गए हैं। एसपी श्वेता के आदेश के अनुसार खोया-पाया केन्द्र में पुलिस द्वारा बद्रीनाथ धाम में अपनों से बिछड़ चुके यात्रियों के बारे में महत्वपूर्ण सूचनाओं को लाउडहेलर पर बार-बार अनाउंस कराकर बिछड़ों को अपनों से मिलवाया जा रहा है।

चमोली पुलिस द्वारा श्री बद्रीनाथ धाम में अब तक कुल 156 दर्शनार्थियों जिनमें 02 बच्चे, 72 पुरुष एवं 82 महिला यात्रियों को ढूंढ़खोज कर उनके परिजनों/ साथियों से मिलवाया गया है। बिछड़ों को अपनों से मिलाने के लिए चमोली पुलिस द्वारा की गई इस पहल को दूर-दराज से आने वाले दर्शनार्थियों द्वारा खूब सराहा जा रहा है।

पीडब्ल्यूडी के नए चीफ़ अयाज़ अहमद चारधाम यात्रा मार्गों को लेकर गंभीर

रिस्पना पुल से आईएसबीटी मार्ग चौड़ीकरण भी प्राथमिकता में

मो सलीम सैफी
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून। अगर आप रिस्पना पुल से आईएसबीटी जाते हुए सरकार को कोसते है तो अब मत कोसिएगा क्योंकि ये मार्ग जल्द ही उत्तराखंड का सबसे चौड़ा अंदरूनी शहरी मार्ग होगा,ये दावा किया है उत्तराखंड के नए पीडब्ल्यूडी चीफ़ अयाज़ अहमद ने।

पीडब्ल्यूडी के नए चीफ के तौर पर अयाज़ अहमद ने चार्ज लेने के बाद अपनी प्राथमिकताओं पर हमसे चर्चा की और ये दावा किया कि वो किसी भी परिस्थिति में प्रधानमंत्री मोदी,मुख्यमंत्री धामी और पीडब्ल्यूडी मंत्री सतपाल महाराज के विज़न को धरातल पर उतार कर रहेंगे,जितना भी कार्यकाल बतौर पीडब्ल्यूडी चीफ़ उनको मिला है वो मुख्य रूप से चारधाम यात्रा मार्गो को सुगम बनाना रहेगा ताकि दुनियाभर के तीर्थयात्री देवभूमि यात्रा के अनुभवों को सुखद यात्रा के रूप में याद रखें इसके अलावा प्रदेश की सड़को को गड्ढा मुक्त करना भी उनकी प्राथमिकताओं में शामिल है।

श्री अयाज़ अहमद ने दावा किया है कि वो पीडब्ल्यूडी को एक जनहितार्थ विभाग के रूप में स्थापित करने का पूरा प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि प्रदेश में जनहित का पूरा ध्यान रखने वाले मुख्यमंत्री के अलावा एक योग्य मंत्री,मुख्य सचिव और प्रमुख सचिव पीडब्ल्यूडी के अलावा बहुत काबिल इंजीनियरों की मजबूत टीम है जो 24 घंटे प्रदेश में सड़को का जाल मजबूत करने में जुटी रहती है

श्री अयाज़ अहमद ने बताया कि पूरे प्रदेश में विभाग के पास 250 से ज्यादा जेसीबी मशीनों का नेटवर्क है जिन्हे हर समय अलर्ट मोड पर रखा जाएगा है और ये भी सुनिश्चित करने के आदेश दे दिए गए है कि बरसात में जनता को किसी भी तरह की दिक्कतें न हो और रिस्पॉन्स टाइम भी कम से कम रहे,सभी इंजीनियरों को अपना मोबाइल चालू रखने और जनता की समस्याओं के त्वरित निदान के लिए निर्देशित किया गया है।

बातचीत के दौरान श्री अयाज़ अहमद ने स्पष्ट संकेत दिए है कि उनकी प्राथमिकताओं में चारधाम यात्रा मार्गो के अलावा नगरो के अंदरूनी और संपर्क मार्ग भी है,देहरादून विधान सभा भवन से आईएसबीटी की और जाने वाला मार्ग भी उन्होंने अपनी उच्च प्राथमिकता का हिस्सा बताया,उन्होंने बताया कि संबंधित इंजीनियरों और ठेकेदारों को सख्त निर्देश दे दिए गए है कि इस मार्ग के चौड़ीकरण का काम जल्द से जल्द पूरा कर लिया जाए,इस मार्ग के निर्माण में देरी पर खेद जताते हुए अपना संकल्प दोहराया कि वो कोशिश करेंगे कि अगले 6 महीनों में हर हालत में ये मार्ग वाहनों के आवागमन के लिए तैयार हो जाए।

पीडब्ल्यूडी के इंजीनियरों का संकल्प, विभाग को बनाएंगे भ्रष्ट्राचारमुक्त,त्वरित और पारदर्शी

उत्तराखंड डिप्लोमा इंजीनियर्स संघ के चुनाव में आर.सी.शर्मा बने प्रांतीय अध्यक्ष, शक्ति आर्य गढ़वाल के मुखिया और अजय टम्टा कुमाऊं के सरताज, प्रचार-प्रसार विभाग मिला विनेश वर्मा को

मो सलीम सैफी
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून। उत्तराखंड डिप्लोमा इंजीनियर्स संघ के चुनाव में आर.सी.शर्मा बने प्रांतीय अध्यक्ष,शक्ति आर्य गढ़वाल के मुखिया और अजय टम्टा कुमाऊं के सरताज,प्रचार प्रसार विभाग मिला विनेश वर्मा को।उत्तराखंड डिप्लोमा इंजीनियर्स संघ के ग्यारहवे महाधिवेशन में 800 से ज़्यादा इंजीनियरों ने अपने मताधिकार का इस्तेमाल किया जिस दौरान विभागीय मंत्री सतपाल महाराज और प्रमुख सचिव डॉ रमेश कुमार सुधांशु ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

उत्साह से भरपूर इंजीनियरों ने दो दिन चले एकादश महाधिवेशन में जहा अपने अपने अनुभव साझा किए तो वही सभी ने आम राय से पीडब्ल्यूडी को भ्रष्टाचार मुक्त विभाग बनाने का संकल्प लिया,इंजीनियरों ने भ्रष्टाचार को समाज के लिए एक बड़ी बुराई बताया और इसे जड़ से खत्म करने लिए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और विभागीय मंत्री सतपाल महाराज के प्रयासों की सराहना की।महाधिवेशन में इंजीनियरों ने विभाग को पारदर्शी और त्वरित समाधान वाला विभाग बनाने की इच्छा व्यक्त की,इंजीनियरों ने विभाग की छवि को ठेस पहुंचाने वालो को साफ चेताया कि पीडब्ल्यूडी विभाग के सभी इंजीनियर पूरी ईमानदारी,मेहनत और लगन से प्रदेश के विकास में अपना योगदान दे रहे है ऐसे में सरकार को भी कर्मचारियों के हितों को ध्यान में रखते हुए सार्थक कदम उठाने चाहिए। महाधिवेशन में प्रांत की कमेटी के साथ साथ गढ़वाल और कुमाऊं की कार्यकारणी की घोषणा की गई जिसके मुख्य संयोजक एसएस पटवाल थे।

प्रांतीय कमेटी। अध्यक्ष,आर सी शर्मा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष, विनोद सेमवाल,उपाध्यक्ष,अरुण भंडारी, महामंत्री, छबील दास सैनी,प्रचार प्रसार सचिव,वीरेश कुमार वर्मा,मंत्री प्रावैधिक,अमित कुमार सैनी,मंत्री विद्युत,नमन चमोली,मंत्री लेखा,हरीश भट्ट,संगठन सचिव गढ़वाल,अरविंद प्रताप सिंह,संगठन सचिव कुमायू,योगेश तात्रानी

गढ़वाल मंडल कमेटी। अध्यक्ष ,शक्ति आर्य,उपाध्यक्ष,शशि प्रकाश और उषा भंडारी और महामंत्री सरीन कुमार

कुमाऊं मंडल कमेटी। अध्यक्ष,अजय टम्टा,उपाध्यक्ष,राजेंद्र गिरी और महामंत्री, रविंद्र सिंह मेहरा

एसटीएफ और साइबर क्राइम पुलिस ने संगठित गिरोह का पर्दाफाश किया

राष्ट्रीयकृत बैंक (सेन्ट्रल बैंक ऑफ इण्डिया) के 03 बैंक अधिकारियों की 30.95 लाख की ठगी के आरोप में गिरफ्तारी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

बढ़ते साइबर अपराधों के क्रम में साइबर अपराधी आम जनता की गाढ़ी कमाई को लूटने के लिए अपराध के नये-नये तरीके अपनाकर धोखाधड़ी कर रहे है । इसी कड़ी में बैंक कर्मचारियो के द्वारा आम जनता के बैंक खातों में एसएमएस अलर्ट नम्बर बदल कर उनकी मेहनत की कमाई को उडाने के मामले भी अब सामने आ रहे हैं ।

ऐसा ही एक मामला साइबर क्राईम पुलिस स्टेशन को मिला था। जिसमें अतुल कुमार शर्मा पुत्र स्व0 रामस्वरुप शर्मा निवासी हर्रबटपुर थाना विकासनगर देहरादून ने शिकायत दर्ज कराई कि अज्ञात व्यक्ति द्वारा उनकी माता के संयुक्त बैंक खाता सेन्ट्रल बैंक ऑफ इण्डिया में बिना माताजी की अनुमति के SMS अलर्ट नम्बर बदल कर खाते से 30.95 लाख रुपये धोखाधड़ी की है। इस मामले में मुकदमा दर्ज किया गया । प्रकरण की गम्भीरता को देखते हुये जल्द से जल्द खुलासे और अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु साइबर थाने से निरीक्षक त्रिभुवन रौतेला के नेतृत्व में टीम गठित की गयी ।

इस क्राइम में अभियुक्तों के विरुद्ध कार्यवाही के लिए सबसे पहले घटना में प्रयुक्त मोबाईल नम्बर, ई-मेल आईडी, ई-वालेट, तथा बैंक खातों व सीसीटीवी फुटेज व भौतिक साक्ष्यो के विश्लेषण करने पर जानकारी की गयी तो पता चला कि सेन्ट्रल बैंक ऑफ इन्डिया के अधिकारी द्वारा शिकायतकर्ता की बिना अनुमति के धोखाधड़ीपूर्वक अपने खाताधारक के बैंक खाते से सम्बन्धित गोपनीय जानकारी में परिवर्तन कर नेट/मोबाईल बैंकिग के माध्यम शिकायतकर्ता

की धनराशि से ऑनलाईन माध्यम से सोना खरीदकर उसको बेचकर लाभ अर्जित किया जा रहा था। जिसके उपरान्त थाना साईबर क्राईम पुलिस स्टेशन को शिकायत प्राप्त होने साइबर थाने से विशेष टीम का गठन कर टीम द्वारा कम्पनियों से प्राप्त विवरण का गहनता से विश्लेषण एवं अन्य तकनीकी रुप से साक्ष्य एकत्रित कर पुलिस टीम तत्काल दिल्ली, एनसीआर, उ0प्र0, हरियाणा रवाना हुयी । पुलिस टीम द्वारा अथक मेहनत एवं प्रयास से घटना में संलिप्त सेन्ट्रल बैंक ऑफ इन्डिया बैंक प्रबन्धक 01 अभियुक्त को दिनांक 23 मई को करोल बाग दिल्ली से गिरफ्तार किया गया ।

अभियुक्त से पूछताछ पर यह तथ्य प्रकाश में आये कि उनके सहयोगी सेन्ट्रल बैंक के AFO मौ0 आजम व सेन्ट्रल बैंक ऑफ इन्डिया के ही सहायक प्रबन्धक कविश डंग के साथ मिलकर लम्बे समय से Inactive खातों की जानकारी कर उसके SMS अलर्ट नम्बर को बदलकर नेट/मोबाईल बैंकिग के माध्यम शिकायतकर्ता की धनराशि से ऑनलाईन माध्यम से सोना खरीदकर उसको बेचकर लाभ अर्जित कर अपराध कारित करते थे और लाभ से प्राप्त धनराशि को आपस में बाँट लिया करते थे। जिस पर उक्त दोनो अभियुक्तो को सेलाकुई व विकासनगर देहरादून से गिफ्तार किय गया । अभियुक्तों से पूछताछ में कई अहम सुराग प्रकाश में आये हैं। जिसमें निकट भविष्य में गिरोह के अन्य सदस्यो की गिरफ्तारी की जायेगी ।

ये था अपराध का तरीका -

अभियुक्तगण द्वारा प्रतिष्ठित बैंक शाखा सैन्ट्रल बैंक ऑफ इण्डिया के कर्मचारियों द्वारा लम्बे समय से Inactive खातों की जानकारी कर उसके SMS अलर्ट नम्बर को बदलकर नेट/मोबाईल बैंकिग के माध्यम शिकायतकर्ता की धनराशि से ऑनलाईन माध्यम से सोना खरीदकर उसको बेचकर लाभ अर्जित कर अपराध कारित करते थे और लाभ से प्राप्त धनराशि को आपस में बाँट लिया करते थे।

गिरफ्तार अभियुक्त-

1- निश्चल राठौर पुत्र नरेन्द्र पाल सिंह निवासी ग्राम शहबाजपुर पो0 जिनौरा थाना जिनौरा जनपद बदाँयू उत्तर प्रदेश हाल निवासी ईको विलेज 2 बी4 2003 ग्रेटर नोएडा उत्तर प्रदेश। उम्र 30 वर्ष2- मौ0 आजम पुत्र मौ0 यासीन निवासी इन्द्रा कालोनी थाना पन्तनगर जनपद ऊधमसिंह नगर उत्तराखण्ड हाल निवासी संगम टेलीकॉम के पीछे मेन मार्केट सेलाकुई थाना सेलाकुई जनपद देहरादून। उम्र 27 वर्ष3- कवीश डंग पुत्र स्व0 कमल डंग निवासी मकान नं0 176 वार्ड नं0 9 28 फुटा रोड थाना विकासनगर जनपद देहरादून। उम्र 30 वर्षबरामदगी-1- लैपटॉप लिनोवा – 01 अदद 2- सैमसंग टैब – 01 अदद 3- मोबाईल फोन – 06 अदद4- सिम कार्ड – 07 अदद5- एटीएम कार्ड – 14 अदद6- आधार कार्ड – 02 अदद7- पासबुक – 05 अदद8- चैक बुक – 03 अदद9- आरसी/डीएल – 02 अदद10- पेन कार्ड – 01 अददपुलिस टीम-1-निरीक्षक त्रिभुवन रौतेला2-उ0नि0 राजेश ध्यानी3-उ0नि0 राहुल कापड़ी4-का0 देवेन्द्र नेगी 4- Technical Team/ एसटीएफ

प्रभारी एस0टी0एफ0 उत्तराखण्ड द्वारा जनता से अपील की है कि समय समय पर बैंक में भौतिक रुप से जाकर अपने खाते की जानकारी करते रहें व लम्बे समय तक अपने खाते को Inactive न रखें । कोई भी शक होने पर तत्काल निकटतम पुलिस स्टेशन या साइबर क्राईम पुलिस स्टेशन व साईबर हेल्पलाईन 1930 पर सम्पर्क करें ।

कृषि मंत्री गणेश जोशी ने किया प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के प्रचार रथ को रवाना

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून राज्य के कृषि मंत्री गणेश जोशी द्वारा प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत पुर्नगठित मौसम आधारित ''फसल बीमा योजना'' के प्रचार रथ को रवाना किया। इस अवसर पर कृषि मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में राज्य सरकार किसानों की आय में वृद्धि करने का निरंतर प्रयास कर रही है। इसके तहत किसानों की फसलों को ओलावृष्टि, अतिवृष्टि तथा अल्पवृष्टि व अन्य प्राकृतिक आपदाओं के तहत होने वाले नुकसान से उबरने हेतु सहयोग किया जाता है। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत खरीफ 2021 में कुल 61,433 कृषकों को फसल बीमा योजना से आच्छादित किया गया है। जिसमें से 45,215 कृषकों को एसबीआई के माध्यम से बीमा लाभ दिलाया जा चुका है। वर्तमान सत्र, खरीफ 2022 के लिए अब तक एसबीआई में 2013 आवेदन प्राप्त हो चुके हैं।आज प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना की प्रचार वैन को रवाना करते हुए मैं राज्य के समस्त किसान भाइयों से अपील भी करना चाहता हूं कि इस सत्र की खरीफ फसल के बीमा हेतु तथा योजना का ज्यादा से ज्यादा लाभ उठाने के लिए आवेदन करें।इस प्रकार की प्रचार वैन सभी जनपदों में भी प्रचार कर रहीं हैं। इसके अतिरिक्त सीएससी सेंटर के माध्यम से अथवा किसी भी नजदीकी बैंक में जा कर अथवा प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के पोर्टल में जा कर बीमा आवेदन कर सकते हैं।

IPL 2022 : प्लेऑफ से पहले KL Rahul के सामने बड़ी परेशानी, फाइनल तक पहुंचना होगा बड़ा मुश्किल

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

इंडियन प्रीमियर लीग के 15वें सीजन में लीग स्टेज के सभी मुकाबले खत्म हो चुके हैं। अब प्लेऑफ में चार टीमें खेलने उतरेंगी जिसमें से एलिमिनेटर में खेलने वाली लखनऊ और बैंगलोर के लिए मुकाबला करो या मरो का होगा। राजस्थान और गुजरात की टीमों के पास क्वालीफायर में हार के बाद भी फाइनल में जाने का एक मौका होगा। लखनऊ की टीम के सामने एक बड़ी मुश्किल है जो उसके फाइनल की राह में रोड़ा बन सकती है।

इस सीजन में पहली बार खेलने उतरी लखनऊ और गुजरात की टीमों ने लीग मुकाबलों में दमदार खेल दिखाते हुए अंतिम चार में जगह बनाई। पहले और दूसरे स्थान पर पहुंची गुजरात और राजस्थान का मुकाबला क्वालीफायर 1 में होगा। वहीं तीसरे और चौथे स्थान पर रहने वाली लखनऊ और बैंगलोर के बीच एलिमिनेटर खेला जाना है। अब मुश्किल यह है कि केएल राहुल की कप्तानी वाली टीम ने इस सीजन में प्लेऑफ में पहुंची तीनों टीमों के खिलाफ कोई मुकाबला नहीं जीता, मतलब फाइनल में जाना है तो ऐसा कुछ करना होगा जो नहीं किया।

लखनऊ ने तीनों टीमों में से नहीं हराया किसी को

लीग स्टेज में इस सीजन में लखनऊ की टीम ने बैंगलोर के खिलाफ एक जबकि गुजरात और राजस्थान से दो-दो मुकाबले खेले। आरसीबी के खिलाफ टीम को 18 रन से हार मिली। गुजरात के खिलाफ पहला मुकाबला लखनऊ ने 5 विकेट से गंवाया था जबकि दूसरे मैच में 62 रन की बड़ी हार का सामना करना पड़ा था। अब बात राजस्थान की करें तो पहले मुकाबले में लखनऊ तो 3 रन जबकि दूसरे में 24 रन के अंतर से हार मिली थी।

आईपीएल प्लेऑफ 2022 का कार्यक्रम

क्वालीफायर-1: गुजरात बनाम राजस्थान (24 मई, कोलकाता)

एलिमिनेटर: लखनऊ बनाम बैंगलोर (25 मई, कोलकाता)

क्वालीफायर-2: एलिमिनेटर विनर बनाम क्वालीफायर-1 लूजर (27 मई, अहमदाबाद)

फाइनल : क्वालीफायर-1 विनर बनाम क्वालीफायर-2 विनर (29 मई, अहमदाबाद)

सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्यम खादी एवं ग्रामोद्योग मंत्री चंदन राम दास ने नेशनल हैण्डलूम एक्सपो का उद्घाटन किया

देहरादून में प्रतिवर्ष आयोजित होने वाला चर्चित नेशनल हैंडलूम एक्सपोर्ट 23 मई 2022 से 5 जून 2022 रेस कोर्स ग्रे ग्राउंड देहरादून में आयोजित

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

विकास आयुक्त (हथकरघा), वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार की विपणन प्रोत्साहन योजनान्तर्गत देश के बुनकरों को विपणन सुविधा उपलब्ध कराने हेतु देश के विभिन्न प्रान्तों में नैशनल हैण्डलूम एक्सपो का आयोजन किया जाता है। नैशनल हैण्डलूम एक्सपो- देहरादून का आयोजन उद्योग विभाग द्वारा उत्तराखण्ड हथकरघा एवं हस्तशिल्प विकास परिषद के माध्यम से प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी राज्य की राजधानी देहरादून में 23 मई से लेकर 5 जून तक किया जा रहा है।

देहरादून में आयोजित नैशनल हैण्डलूम एक्सपो राष्ट्रीय स्तर पर अपनी एक विशिष्ट छाप छोड़ने में सफल रहा है। देश के सभी बुनकरों एवं देहरादून तथा उत्तराखण्ड राज्य के दर्शकों को इस एक्सपो की उत्सुकता से प्रतीक्षा रहती है।नैशनल हैण्डलूम एक्सपो में विभिन्न हथकरघा संगठन, हथकरघा सहकारी समितियां, निगम / फेडरेशन, सेल्फ हेल्प ग्रुप, राष्ट्रीय एवं राज्य स्तर पर पुरस्कृत बुनकरों एवं हथकरघा कार्य में संलग्न व्यक्तिगत बुनकरों द्वारा प्रतिभाग किया जाता है।

विगत वर्षों में इस एक्सपो का आयोजन परेड ग्राउण्ड देहरादून में आयोजित किया जाता रहा है, किन्तु इस वर्ष परेड ग्राउण्ड उपलब्ध न होने के कारण एक्सपो का आयोजन रेसकोर्स प्ले ग्राउण्ड, देहरादून में किया जा रहा है। इस एक्सपो का आयोजन वित्तीय वर्ष 2021-22 की स्वीकृति के सापेक्ष एवं इस हेतु बजट माह मार्च 2022 में प्राप्त होने तथा राज्य में आदर्श आचार संहिता लागू होने के कारण इस अवधि में किया जा रहा है तथा चालू वित्तीय वर्ष 2022-23 में नैशनल हैण्डलूम एक्सपो के आयोजन के लक्ष्य के सापक्ष इस एक्सपो का आयोजन इस वर्ष माह दिसम्बर, 2022 से माह जनवरी, 2023 के मध्य किया जाना प्रस्तावित है।इस एक्सपो में उत्तराखण्ड राज्य के अतिरिक्त विभिन्न राज्यों यथा जम्मू-कश्मीर, नई दिल्ली, उत्तर प्रदेश, आंध्र प्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल, राजस्थान, मध्य प्रदेश, तेलंगना एवं कर्नाटक आदि राज्यों द्वारा प्रतिभाग किया जा रहा है।

इस वर्ष नैशनल हैण्डलूम एक्सपो में लगभग 80 स्टॉल स्थापित किये गये है, जिसके अन्तर्गत विभिन्न राज्यों के विविध एवं आकर्षक हथकरघा उत्पादों की बड़ी रेन्ज बिक्री हेतु उपलब्ध होगी। एक्सपो में उत्तर प्रदेश की बनारसी साड़ियां, दरी तथा कालीन राजस्थान की जयपुरी चादरें, बिहार की टसर एवं भागलपुरी ड्रेस मैटिरियल एवं साडियां, कर्नाटक की कांजीवरम सिल्क साड़ियां, पश्चिमी बंगाल की जमदानी बालचौरी साड़ियां, जम्मू कश्मीर के हथकरघा उत्पाद, आन्ध्र प्रदेश की सिल्क साड़ियां, मध्य प्रदेश की चन्देरी एवं महेश्वरी साड़ियां, बेडशीट / बेड कवर एवं उत्तराखण्ड की कॉटन बेडशीट / बेड कवर, स्कार्फ, मफलर, खादी ड्रेस मैटिरियल, ट्वीड आदि हथकरघा उत्पाद विक्रय हेतु उपलब्ध हैं।

विकास आयुक्त (हथकरघा) भारत सरकार के बुनकर सेवा केन्द्र, चमोली द्वारा देश के विभिन्न प्रान्तों के विशिष्ट हथकरघा उत्पाद का प्रदर्शन थीम पैवेलियन में किया गया है। हथकरघे पर कपड़ा उत्पादन एवं विभिन्न हथकरघा डिजाइनों का सजीव प्रदर्शन भी किया गया है। हथकरघा उद्योग के सम्बन्ध में इस पैवेलियन के माध्यम से आने वाले दर्शकों, छात्रों एवं अन्य उत्सुक लोगों को जानकारियां उपलब्ध करायी जायेंगी। हिमाद्रि मण्डप

उत्तराखण्ड हथकरघा एवं हस्तशिल्प विकास परिषद, जो राज्य में हथकरघा एवं हस्तशिल्प उत्पादों के समृद्ध विकास के लिये गठित शीर्ष संस्था , द्वारा राज्य के विशिष्ट उत्पादों को हिमाद्रि ब्राण्ड नेम के अन्तर्गत प्रोत्साहित किया जा रहा है। नैशनल हैण्डलूम एक्सपो में हिमाद्रि मण्डप में हथकरघा उत्पादों के साथ-साथ हस्तशिल्पियों को भी विपणन के लिये स्थान उपलब्ध कराया जा रहा है। हिमाद्रि मण्डप में एकीकृत हस्तशिल्प विकास एवं प्रोत्साहन योजनान्तर्गत प्रतिष्ठित डिजाइन संस्थाओं के डिजाइनरों के माध्यम से राज्य के 15 विकासखण्डों में विकसित किये गये नवीन उत्पादों को भी प्रदर्शन / विपणन हेतु प्रस्तुत किया जा रहा है।

विकास आयुक्त (हथकरघा), वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार के बुनकर सेवा केन्द्र, चमोली द्वारा थीम पैवेलियन स्थापित कर देश के विभिन्न प्रान्तों के विशिष्ट हथकरघा उत्पाद का प्रदर्शन किया जायेगा। इस थीम पैवेलियन पर हथकरघे पर कपड़े की बुनाई एवं विभन्न हथकरघा के उत्कृष्ठ डिजाइनरों का सजीव प्रदर्शन भी किया जायेगा।

विजयवर्गीय की धमक और धामी की हामी से पहाड़ में पस्त हुए केजरीवाल : भूपेश उपाध्याय

आशीष तिवारी
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

विधानसभा चुनाव से पूर्व आप ने कर्नल अजय कोठियाल को पार्टी का मुख्यमंत्री प्रत्याशी और पूर्व दर्जा राज्य मंत्री भूपेश उपाध्याय को पार्टी का कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष बनाकर पार्टी की बागडोर दी थी।आम आदमी पार्टी के सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल ने कर्नल अजय कोठियाल और भूपेश उपाध्याय को भरोसा दिया था कि 2022 के विधानसभा प्रत्याशी चयन समेत सम्पूर्ण चुनाव अभियान दोनों नेताओं की रायशुमारी से ही सम्पन्न होगा। बकौल कर्नल कोठियाल व भूपेश उपाध्याय केजरीवाल जी से प्रदेश में पार्टी के विस्तार व चुनाव अभियान के लिए जो भी बात हुई थीं पार्टी ने किसी भी बात की शुद नहीं ली और दिल्ली से थोपे गए प्रदेश प्रभारी उत्तराखण्ड में अपनी मनमानी से पार्टी को हांकते रहे, योग्य प्रत्याशियों को चुनाव लड़ने से वंचित रखा गया, प्रभारी द्वारा अयोग्य लोगों को टिकट बेचे गए, चुनाव अभियान में पार्टी की ओर से कोई मदद नहीं की गयी, पार्टी के एकमात्र स्टार प्रचारक अरविंद केजरीवाल जी की चुनाव शुरू होने के बाद एक भी रैली प्रदेश में नहीं हुई, प्रत्याशियों को एकदम अकेला छोड़ दिया गया, और इन कारणों से पार्टी को एक बडा हार का सामना करना पड़ा। बड़ी हार के बाद भी पार्टी सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल ने हार की कोई समीक्षा नहीं की, और प्रदेश प्रभारी के कहने पर उत्तराखण्ड के संदर्भ में लगातार मनमाने फैसले लेते रहे, प्रदेश प्रभारी दिनेश मोहनिया ने पार्टी की पुरानी कार्यकारिणी भंग करके एक ऐसे गैर राजनैतिक व्यक्ति को पार्टी का प्रदेश अध्यक्ष बनवा दिया जिसकी राजनैतिक व सामाजिक क्षेत्र में कोई विशेष अनुभव व पहचान नहीं है, पार्टी के इस तरह के फैसलों से दिल्ली दरवार से कर्नल कोठियाल व भूपेश उपाध्याय की दूरी बढ़ती चली गयी।

कर्नल कोठियाल ने भगवा रंग चढ़ते ही कही बड़ी बातें

मेरी विचारधारा हमेशा राष्ट्रवादी रही है, मैं पहले भी संघ से जुड़ा रहा हूँ, हमने यूथ फाउंडेशन के माध्यम से हज़ारों युवाओं को रोजगार दिया है, हमने विषम परिस्थितियों में केदारनाथ जी के पुनर्निर्माण में भी अपनी ओर से प्रयास किया है।अब भाजपा के बैनर तले प्रदेश के बेरोजगार युवाओं को प्रशिक्षित करके उनको रोजगार देने का प्रयास रहेगा। पार्टी में बिना शर्त आये हैं पार्टी से कुछ लेना नहीं बल्कि पार्टी को अपनी ओर से कुछ करके देने की इच्छा है जिससे पार्टी मजबूत हो।

इसी बीच इस राजनैतिक कहानी में इंट्री होती है भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव कैलाश विजयवर्गीय की।भूपेश उपाध्याय व कैलाश विजयवर्गीय की नजदीकी जगजाहिर है।भूपेश उपाध्याय व कर्नल कोठियाल अपने दिल्ली प्रवास के दौरान अचानक भाजपा महासचिव कैलाश विजयवर्गीय से मिलते हैं और यही से शुरुआत होती है आप के खात्मे की राजनीति की।विजयवर्गीय भूपेश उपाध्याय पर नाराज होते हैं कि तुमने गलती की आप में जाकर, विजयवर्गीय ने भूपेश उपाध्याय को समझाया कि तुमको और राष्ट्रवादी छवि के कर्नल कोठियाल को भाजपा में आना चाहिए, विजयवर्गीय के समझाने के बाद कोठियाल व भूपेश उपाध्याय ने भाजपा जॉइन करने की हामी भरी लेकिन विजयवर्गीय जानते थे कि दोनों की जॉइनिंग के लिए भाजपा के प्रदेश नेतृत्व के अलावा भाजपा के शीर्ष नेतृत्व से भी बात करना जरूरी है। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव कैलाश विजयवर्गीय ने 13 मई को अपने उत्तराखण्ड प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी एवं प्रदेश अध्यक्ष मदन कौशिक से कर्नल कोठियाल व भूपेश उपाध्याय को भाजपा में लाने के विषय में बात की, 13 मई की रात गोपनीय मीटिंग में आगे की रणनीति का खाका बनाया गया व प्रदेश संगठन मंत्री की भी सहमति ली गयी।विजयवर्गीय ने प्रदेश नेतृत्व की सहमति के बाद उत्तराखण्ड से लौटने के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे पी नड्डा से इस सम्बंध में चर्चा की व भाजपा राष्ट्रीय नेतृत्व की सहमति के बाद कर्नल कोठियाल व भूपेश उपाध्याय ने आम आदमी पार्टी से अपना इस्तीफा दिया।कर्नल कोठियाल व भूपेश उपाध्याय के आम आदमी पार्टी को छोड़कर भाजपा की सदस्यता लेने से कुमाऊँ व गढ़वाल दोनों क्षेत्रों में आम आदमी पार्टी को एक करारा झटका लगा है और पार्टी वेंटिलेटर पर चली गयी है। कर्नल कोठियाल व भूपेश उपाध्याय के साथ लगभग 1 दर्जन विधानसभा प्रत्याशियों समेत आप के सैकड़ों पदाधिकारियों, आप से जुड़े सैकड़ों सैन्य अधिकारियों, सैकड़ों युवा पदाधिकारियों, महिला पदाधिकारियों ने आप छोडकर भाजपा की सदस्यता ली है।

सूत्रों से पता चला है कि आम आदमी पार्टी से बड़ी संख्या में लोग भाजपा की सदस्यता लेने के इछुक हैं लेकिन अभी भाजपा नेतृत्व द्वारा हर व्यक्ति की समीक्षा के बाद ही अन्य लोगों को पार्टी से जोड़ने का निर्णय किया है।कयास लगाये जा रहे थे कि कर्नल कोठियाल व भूपेश उपाध्याय ने अपनी कुछ शर्तों पर भाजपा की सदस्यता ली होगी लेकिन कोठियाल व उपाध्याय ने स्पष्ट किया कि वह बिना किसी शर्त के, बिना किसी डिमांड के भाजपा से जुड़ रहे हैं, पार्टी के हित में काम करना मकसद है, कोठियाल व उपाध्याय ने भाजपा नेतृत्व का आभार जताया कि पार्टी ने उन को अपने परिवार में स्वीकार किया ।

भूपेश उपाध्याय ने भाजपा जॉइन करने के बाद क्या कहा

मैं भाजपा नेतृत्व का आभारी हूँ जो उन्होंने मुझको अपने परिवार में स्वीकार किया, मैं तो मूल रूप से एक स्वयंसेवक हूँ और भाजपा में रहा हूँ लेकिन मैंने बहुत बड़ी गलती की थी भाजपा छोड़कर अब भाजपा परिवार में जुड़कर पार्टी की मजबूती के लिए काम करना चाहता हूँ, मुझसे जो गलतियां हुई हैं उनका प्रायश्चिय करना चाहता हूं, मैंने बिना शर्त भाजपा की सदस्यता ली है मैंने पहले कुछ गलत राजनैतिक निर्णय लिए थे लेकिन अब भाजपा की सदस्यता लेना मेरे जीवन का अंतिम राजनैतिक फैसला है, अब जीवनभर पार्टी में रहकर पार्टी की सेवा करना जीवन का अंतिम राजनैतिक उद्देश्य है

बारिश से यमुनोत्री हाईवे राना चट्टी के पास फिर हुआ खतरनाक, बड़े वाहनों की आवाजाही रोकी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तरकाशी। लगातार बारिश से यमुनोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग के राना चट्टी के पास मंगलवार को फिर से भूधंसाव की स्थिति बन रही है। जिसके कारण फिलहाल पुलिस प्रशासन ने बड़े वाहनों की आवाजाही को रोक दिया है। यहां केवल छोटे वाहन ही संचालित हो रहे हैं।

इससे पहले मंगलवार को रानाचट्टी के पास बड़ी बसों के लिए अवरुद्ध यमुनोत्री हाईवे पांच दिन बाद सुचारु हो गया था। मार्ग सुचारु होने से तीर्थ यात्रियों को बड़ी राहत मिली थी। लेकिन भूधंसाव वाले जोन में सुरक्षा का स्थायी रूप से समाधान नहीं हो पाया था।

गौरतलब है कि यमुनोत्री हाईवे पर रानाचट्टी के पास बीती 18 मई की शाम बारिश होने से भूधंसाव हुआ, जिससे मार्ग 25 घंटे तक पूरी तरह से अवरुद्ध रहा था। गुरुवार की रात मार्ग पर आवाजाही शुरू हुई थी। लेकिन शुक्रवार सुबह फिर से हाईवे बाधित हो गया था। इसके बाद बड़े वाहनों का संचालन पूरी तरह से बंद था।

बीती रविवार को भी पांच घंटे तक राजमार्ग पूरी तरह बंद रहा। छोटे वाहनों की आवाजाही भी बंद रही। रविवार शाम को हाईवे खोला गया। रात के समय मार्ग को बड़ी बसों के लिए चौड़ा किया गया। इसके बाद सोमवार सुबह बसों का संचालन हो पाया है।

संपादकीय

चीन के अवैध निर्माण

लद्दाख में पैंगोंग झील के उत्तरी और दक्षिणी तटों को जोड़ने के लिए चीन द्वारा पुल का निर्माण उसकी आक्रामकता का एक और उदाहरण है. भारत ने स्पष्ट रूप से कहा है कि पुलों का निर्माण भारत के उन क्षेत्रों में हो रहा है, जो कई दशकों से चीन के अवैध कब्जे में है. उल्लेखनीय है कि चीन 3,488 किलोमीटर लंबी वास्तविक नियंत्रण रेखा पर बहुत तेज गति से निर्माण गतिविधियां चला रहा है. पूर्वी लद्दाख में जो सड़कें, पुल, मकान आदि बन रहे हैं, उनका सैनिक इस्तेमाल ही हो सकता है. कुछ दिन पहले भारतीय सेना की ओर से बयान आया था कि पूर्वोत्तर से लगी वास्तविक नियंत्रण रेखा के पास भी चीन इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार कर रहा है. भारत ने अपनी आपत्ति भी दर्ज करा दी है. ऐसे निर्माण भारत की सैन्य सुरक्षा के लिए चुनौती तो हैं ही, इनके होने से सीमा संबंधी विवादों का निब्टारा भी मुश्किल होता जायेगा. गलवान घाटी की घटना के बाद चीन के सैनिक जमावड़े के बरक्स भारत ने भी समुचित संख्या में सैनिकों को तैनात किया है. भारत अपनी सीमा के भीतर इंफ्रास्ट्रक्चर बढ़ाने पर भी ध्यान दे रहा है ताकि जरूरत पड़ने पर बड़ी संख्या में सैनिक और भारी हथियार नियंत्रण रेखा पर भेजे जा सकें. जिस गति से चीनी गतिविधियां चल रही हैं, उससे साफ लगता है कि चीन विवादित भूमि पर अपना कब्जा मजबूत करना चाह रहा है. इन निर्माणों से भारत के लिए दीर्घकालिक खतरा भी पैदा होगा. ऐसी स्थिति में भारत को भी त्वरित पहल करनी चाहिए और इंफ्रास्ट्रक्चर बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए. सीमा सड़क संगठन ने पैंगोंग पुल के जवाब में नुब्रा घाटी सड़क का काम तेज कर दिया है. आवश्यकता होने पर भारतीय सैनिक टुकड़ियों को इस सड़क के रूप में एक वैकल्पिक मार्ग मिलेगा, जिससे वे डेपसांग मैदान पहुंचकर चीनी सीमा तक पहुंच सकेंगी. कई जगहों पर पहले से मौजूद सड़कों को बेहतर बनाया जा रहा है. विशेषज्ञों का मानना है कि हालांकि निर्माण में सराहनीय तेजी आयी है, पर चीनियों की गति कहीं अधिक है. कुछ भारतीय परियोजनाएं विभागों के समन्वय या लाल फीताशाही के कारण लंबित हैं. इन कमियों को दुरुस्त किया जाना चाहिए. युद्ध की तैयारियों के सिलसिले में सेना, भारत-तिब्बत सीमा पुलिसकर्मी समेत अन्य एजेंसियां नियमित अभ्यास भी कर रही हैं. साल 2020 में चीनी हमले के बाद भारतीय सेना ने लद्दाख से अरुणाचल प्रदेश तक तैनात पांच डिविजन के काम में बदलाव किया है. साथ ही, पाकिस्तानी सीमा से अधिक ध्यान चीनी मोर्चे पर दिया जा रहा है. भारत और चीन के सैन्य अधिकारियों की कई बैठकें हुई हैं, पर तनाव में कमी नहीं आयी है. ऐतिहासिक रूप से चीन के व्यवहार को देखें, तो हमें हर स्थिति के लिए तैयार रहना चाहिए. इंफ्रास्ट्रक्चर बनाने और रणनीति बेहतर करने तथा चीन पर कूटनीति दबाव बनाने के साथ-साथ सैन्य साजो-सामान की उपलब्धता एवं आपूर्ति भी सुनिश्चित की जानी चाहिए.

टोक्यो में चारों देशों के प्रमुखों ने चीन को दिया कड़ा संदेश, कहा- हिंद प्रशांत क्षेत्र में नहीं चलेगा ताकत का जोर

नई दिल्ली (एजेंसी)। हिंद प्रशांत क्षेत्र में ताकत के बलबूते अपना विस्तार करने में जुटे चीन को क्वाड संगठन ने अभी तक का सबसे बड़ा संदेश दिया है। संदेश साफ है कि चीन जिस तरह से इस पूरे क्षेत्र में अस्थिरता फैलाने की कोशिश में जुटा है उसके खिलाफ वैश्विक मंच पर एक साझा रणनीति तैयार होने लगी है। टोक्यो में मंगलवार को क्वाड के चारों देशों के शीर्ष नेताओं पीएम नरेन्द्र मोदी, अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन, जापान के पीएम फुमियो किशिदा और आस्ट्रेलिया के नवनिर्वाचित पीएम एंथोनी एल्बनिजि की शिखर बैठक के बाद जारी संयुक्त बयान में ना सिर्फ चीन पर सीधे तौर पर निशाना लगाया गया है बल्कि उसके मित्र राष्ट्रों जैसे म्यांमार और पाकिस्तान की सरकारों के लिए भी चुभती हुई टिप्पणियां की गई हैं। पीएम मोदी ने जहां इस संगठन को एक सकारात्मक ताकत बताया है तो अमेरिकी राष्ट्रपति ने इसे मजाक में नहीं लेने की सलाह देते हुए कहा है कि क्वाड अपने उद्देश्यों को लेकर बेहद गंभीर है। क्षेत्र के देशों को चीनी कर्ज के जाल से उबारने की रणनीति बनाई गई है और पांच वर्षो में पूरे क्षेत्र में ढांचागत विकास के लिए 50 अरब डालर (लगभग 3.5 लाख करोड़ रुपये) की मदद की घोषणा की गई है। अगली क्वाड शिखर बैठक अगले साल आस्ट्रेलिया में होगी।

भारत के लिए एक अच्छी बात यह रही है कि क्वाड के एजेंडे में आतंकवाद का मुद्दा प्रमुखता से शामिल होता दिख रहा है। क्वाड शिखर सम्मेलन में पहली बार मुंबई व पठानकोट आतंकी हमले की कड़े शब्दों में निंदा की गई है और आतंकवाद को पनाह देने को लेकर परोक्ष तौर पर पाकिस्तान पर निशाना साधा गया है। इसमें किसी भी सूरत में आतंकवादी गतिविधियों को न्यायसंगत नहीं ठहराने की बात कही गई है और हर तरह के आतंकवाद व हिंसक अतिवाद की निंदा की गई है। आतंकियों की मदद करने वालों और दूसरे देशों में आतंकी हमलों के लिए किसी भी तरह की सैन्य, आर्थिक या दूसरी मदद देने की गतिविधियों की निंदा की गई है। साथ ही अफगानिस्तान की जमीन का किसी भी तरह के आतंकी गतिविधियों के लिए इस्तेमाल नहीं करने को कहा गया है।

क्वाड देशों ने कहा है कि वो संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की तरफ से घोषित आतंकियों और आतंकी संगठनों के खिलाफ कार्रवाई में एक दूसरे की मदद करेंगे। आतंकवाद को लेकर उक्त सभी घोषणाओं के तार पाकिस्तान से जुड़े हुए हैं। चीन के एक दूसरे सहयोगी देश म्यांमार के सैनिक तानाशाही को भी क्वाड ने निशाने पर लिया है और वहां लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं को जल्द शुरू करने की अपील की है।

क्वाड सम्मेलन को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि इस समूह ने बहुत ही कम समय में विश्व पटल पर एक महत्वपूर्ण स्थान बना लिया है। आज क्वाड का स्कोप व्यापक हो गया है और स्वरूप भी प्रभावी हो गया है। हमारा आपसी विश्वास, प्रतिबद्धता लोकतांत्रिक शक्तियों को नई ऊर्जा दे रही है। हमारे आपसी सहयोग से एक मुक्त, खुला और समावेशी हिंद प्रशांत क्षेत्र को प्रोत्साहन मिल रहा है। इससे पूरे क्षेत्र में शांति, समृद्धि व स्थिरता सुनिश्चित हो रही है और क्वाड एक रचनात्मक उद्देश्य से आगे बढ़ रहा है।

अपने संबोधन में अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडन ने कहा कि, क्वाड को एक चलताऊ मजाक के तौर पर नहीं लेना चाहिए क्योंकि हम गंभीर हैं। हम इस क्षेत्र में कुछ काम करने के लिए एकजुट हैं और हम जो कर रहे हैं उस पर गर्व करते हैं। बाइडन ने अपने भाषण में यूक्रेन पर हमला करने के लिए रूस के राष्ट्रपति पुतिन की भी जम कर निंदा की और इस हमले को विश्व इतिहास का एक काला अध्याय करार दिया। पुतिन के बारे में राष्ट्रपति बाइडन ने कहा कि वो एक संस्कृति को तबाह करने की कोशिश कर रहे हैं। रूस जब तक यूक्रेन पर हमला करता रहेगा अमेरिका अपने सहयोगियों के साथ तब तक काम करता रहेगा। जापान के पीएम किशिदा ने यूक्रेन हमले का जिक्र करते हुए कहा कि, क्वाड देशो को इस तरह के हालात हिंद प्रशांत में दोहराने की इजाजत नहीं देनी चाहिए।

पहली बार आईपीएल खेल रही गुजरात टाइटंस फाइनल में, राजस्थान को हराया, हार्दिक-मिलर जीत के हीरो

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

पहली बार आईपीएल खेल रही गुजरात टाइटंस लीग के 15वें सीजन के फाइनल में पहुंच गई है। कोलकाता के ईडेन गार्डेंस स्टेडियम में खेले गए पहले क्वॉलिफायर में गुजरात ने राजस्थान रॉयल्स को सात विकेट से हराया। हार्दिक पांड्या के नेतृत्व में गुजरात की टीम ने राजस्थान के 189 रन के लक्ष्य को तीन विकेट खोकर और तीन गेंद बाकी रहते हुए हासिल कर लिया। गुजरात की तरफ से डेविड मिलर ने सर्वाधिक रन बनाए। वह 38 गेंदों में 68 रन बनाकर नाबाद रहे। राजस्थान की तरफ से ट्रेंट बोल्ट और ओबेड मकॉय ने एक-एक विकेट लिए। राजस्थान की टीम अब दूसरे क्वॉलिफायर में लखनऊ और बैंगलोर के बीच होने वाले एलिमिनेटर मैच के विजेता से भिड़गी।

राजस्थान के 189 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी गुजरात की शुरुआत अच्छी नहीं रही। ऋद्धिमान साहा पहले ओवर की दूसरी ही गेंद पर खाता खोले बगैर ट्रेंट बोल्ट की गेंद पर कैच आउट हो गए। हालांकि, इसके बाद शुभमन गिल और मैथ्यू वेड ने मिलकर पारी को संभाला और दूसरे विकेट के लिए 44 गेंदों में 72 रनों की अहम साझेदारी की। गिल आठवें ओवर में 21 गेंदों में 35 रन बनाकर रनआउट हुए। इसके बाद 10वें ओवर में मैथ्यू वेड भी 35 रन बनाकर चलते बने।

गुजरात की टीम छोटे अंतराल पर अपने दोनों सेट बल्लेबाजों के विकेट गंवाकर मुश्किल में नजर आ रही थी। लेकिन कप्तान हार्दिक पांड्या और डेविड मिलर ने टीम को इन झटकों से उबारा और पारी को आगे बढ़ाते हुए मैच जिताऊ साझेदारी की। दोनों ने चौथे विकेट के लिए 60 गेंदों में 106 रनों की अटूट साझेदारी निभाई। मिलर ने आखिरी ओवर की शुरू की तीनों गेंद पर छक्के लगाए। वह 38 गेंदों में 68 रन बनाकर नाबाद रहे। जबकि हार्दिक पांड्या 27 गेंदों में 40 रन बनाकर आखिरी तक टिके रहे।

इससे पहले गुजरात टाइटंस के कप्तान हार्दिक पांड्या ने टॉस जीतकर राजस्थान रॉयल्स को बल्लेबाजी के लिए बुलाया। राजस्थान की शुरुआत अच्छी नहीं रही और दूसरे ही ओवर में यशस्वी जायसवाल तीन रन बनाकर पवेलियन लौट गए। कप्तान संजू सैमसन ने इसके बाद पारी को संभाला और ताबड़तोड़ बल्लेबाजी की। उन्होंने जोस बटलर के साथ मिलकर दूसरे विकेट के लिए 47 गेंदों में 68 रन की साझेदारी की। सैमसन हालांकि अपने अर्धशतक से चूक गए और 26 गेंद में 47 रन बनाकर पवेलियन लौटे।

सैमसन के आउट होने के बाद देवदत्त पडिक्कल ने पारी को आगे बढ़ाया और बटलर के साथ 37 रनों की साझेदारी की। पडिक्कल हालांकि बड़ी पारी खेलने में नाकाम रहे और 15वें ओवर में 20 गेंदों में 28 रन बनाकर आउट हुए। बटलर ने दूसरे छोर पर 42 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया। उन्होंने इसके बाद तेजी से रन बनाना शुरू किया और 56 गेंदों में 89 रन बनाए। उनके अलावा कोई अन्य बल्लेबाज कुछ खास नहीं कर पाया और शिमरोन हेटमायर के बाद रियान पराग भी सस्ते में पवेलियन लौट गए।

परिवहन मंत्री चंदन राम दास ने किया एकीकृत सड़क दुर्घटना डाटाबेस का शुभारम्भ

सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम में इससे मिलेगी मदद

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

प्रदेश के परिवहन मंत्री चंदन राम दास की अध्यक्षता में राज्य सड़क सुरक्षा परिषद की बैठक आयोजित हुई। इस अवसर पर उन्होंने प्रदेश में सड़क दुर्घटना एवं मृत्यु दर को कम करने के लिये iRAD (एकीकृत सड़क दुर्घटना डाटाबेस) परियोजना का शुभारंभ भी किया। परिवहन मंत्री चंदन राम दास ने बताया कि इससे दुर्घटना के कारणों की सही जानकारी होने से संबंधित विभागों के अधिकारी आवश्यक सुधारात्मक उपाय कर सकेंगे। दुर्घटनाओं के सही कारण मालूम होने से आवश्यक सुधारात्मक उपाय किये जाने से दुर्घटनाओं में कमी आयेगी।

iRAD परियोजना सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा तैयार की गयी एक परियोजना है, जिसे परिवहन विभाग के डाटाबेस ''वाहन'' एवं ''सारथी'' से इन्टीग्रेटिड किया गया हैं। उक्त पोर्टल में अन्तर्विभागीय वर्कफ्लो की व्यवस्था की गयी है। परियोजना में मुख्य रूप से 04 स्टेक होल्डर पुलिस विभाग, परिवहन विभाग, लोक निर्माण विभाग एवं चिकित्सा स्वास्थ्य विभाग हैं।

इस अवसर पर उन्होंने 'सड़क सुरक्षा एक पहल' पुस्तक का विमोचन भी किया। उन्होंने कहा कि सड़क सुरक्षा से सम्बन्धित जानकारियों का व्यापक प्रचार-प्रसार भी किया जाय। शिक्षण संस्थानों में पढ़ने वाले छात्र-छात्राओं व अध्यापकों को भी इसमें सहयोगी बनाया जाय। स्कूली विद्यार्थियों को उनके पाठ्यक्रम में सड़क सुरक्षा सम्बन्धित जानकारी क्रमबद्ध तथा समेकित रूप से जोर दिये जाने के साथ ही समय समय पर अर्जित ज्ञान का मूल्यांकन किया जाना भी उन्होंने जरूरी बताया।

परिवहन मंत्री चंदन राम दास ने सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में राज्य में घटित सड़क दुर्घटनाओं, दुर्घटना के मुख्य कारण तथा पूर्व में परिषद की बैठक में दिये गये निर्देशों के अनुपालन की स्थित की समीक्षा की। उन्होंने कार्यदायी संस्थाओं लोक निर्माण विभाग, लोक निर्माण विभाग एन.एच, एन.एच.आई, एन.एच.आई.डी.सी.एल. एवं बी.आर.ओ. द्वारा सड़क निर्माण से संबंधित आधारभूत सुविधाओं तथा रोड मार्किंग के कार्य की भी समीक्षा की। उन्होंने सभी कार्यदायी संस्थाओं से आधारभूत सुविधाओं, रोड मार्किंग, रोड़ साईनेज, ब्लैक स्पॉट से संबंधित कार्यों की प्रगति की समीक्षा कर अवशेष कार्यों को समयबद्धता के साथ पूर्ण करने के निर्देश दिये। इसके साथ ही उन्होंने चिन्हित दुर्घटना संभावित स्थलों का जनपद वार समीक्षा कर संबंधित कार्यदायी संस्थाओं को जल्द शेष सभी चिन्हित स्थलों में सुधार करने के निर्देश दिये। उन्होंने पैदल यात्रियों की सुरक्षा हेतु भी उचित निर्देश दिये।

उन्होंने कहा कि जनपदों के विभिन्न मार्गों पर ऐसे मार्ग चिन्हित किये जायं जहां तीव्र गति से दुर्घटनाएं हो रही है, उन्होंने उक्त सभी स्थलों पर स्पीड डिटेक्शन कैमरे लगाने, अत्याधुनिक तकनीकी के प्रयोग को बढ़ावा देने के निर्देश भी दिये। उन्होंने राज्य में उपलब्ध समस्त निजी एवं सरकारी एम्बुलेन्स वाहनों को 108 से जोड़ने तथा जनपद में सर्वाधिक दुर्घटना वाले स्थलों पर एम्बुलेन्स की तैनाती करने, गोल्डल ऑवर में दुर्घटना पीड़ितों को शीघ्र चिकित्सा उपलब्ध कराये जाने के भी निर्देश दिये।

कैबिनेट मंत्री ने कहा कि लोगों की जिन्दगी बचाना हम सब की जिम्मेदारी है। उन्होंने सड़क दुर्घटना रोकने के लिए आवश्यक उपाय अपनाने एवं दुर्घटना होने की स्थिति में परिवहन, पुलिस, लोनिवि एवं स्वास्थ्य विभाग को रिस्पांस टाईम न्यूनतम करने हेतु लगातार प्रयास किए जाने के भी निर्देश दिए। उन्होंने सड़क सुरक्षा हेतु सभी स्कूलों में अनिवार्य रूप से जागरूकता कार्यक्रमों को करने तथा जागरूकता कार्यक्रमों को और विस्तृत रूप से करने के निर्देश भी दिये। चारधाम यात्रा मार्ग पर मेडिकल, शौचालय सीसीटीवी कैमरों की उचित व्यवस्था कराने के भी उन्होंने निर्देश दिये।

चार धाम यात्रा में संचालित समस्त व्यवसायिक यात्री वाहनों के लिए ग्रीनकार्ड एवं ट्रिपकार्ड प्राप्त करना अनिवार्य करने से यात्रा सुचारू रूप से गतिमान है। उन्होंने सड़कों की दशा सुधारने के सम्बन्ध में और सड़क सुरक्षा उपाय यथा-क्रैश बैरयर, रोड मार्किंग, साईन बोर्ड, स्पीड कामिंग उपाय, चालक के विश्राम स्थलों का विकास आदि कार्य भी समयबद्ध रूप में किये जाने और जिन मामलों में अभी डीपीआर बन रही है, उनमें डीपीआर तैयार करते हुए कार्यवाही प्राथमिकता के आधार पर प्रारम्भ किये जाने के निर्देश दिये। उन्होंने विभिन्न विभागों एवं अधिकारियों से आपसी समन्वय कर निरन्तर सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक रहने और जानमाल के बचाव का आहवान किया गया।

बैठक में अरविन्द सिंह ह्यॉकी, सचिव, परिवहन, एच0सी0सेमवाल, सचिव, आबकारी, वी0के0सुमन, प्रभारी सचिव, शहरी विकास, मुख्तार मोहसिन, पुलिस उपमहानिरीक्षक/निदेशक, यातायात, करन सिंह नगन्याल, पुलिस उपमहानिरीक्षक, गढवाल, रणवीर सिंह चौहान, परिवहन आयुक्त, अरूणेन्द्र चौहान, अपर सचिव, स्वास्थ्य, अतर सिह, अपर सचिव, गृह/लो0नि0वि0, श्री एस0के0सिंह, संयुक्त परिवहन आयुक्त/अध्यक्ष, लीड एजेन्सी, डॉ0 अनिता चमोला, सहायक परिवहन आयुक्त, उत्तराखण्ड के अतिरिक्त परिवहन, पुलिस, चिकित्सा, शिक्षा, शहरी विकास, वित्त विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

जितेंद्र नारायण त्यागी ने श्रीमहंत रविंद्र पुरी महाराज से की भेंट

■ **बोले, जेल में रहने के दौरान मन में जागृत हुई संन्यास इच्छा**

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

हरिद्वार। उत्तर प्रदेश शिया वफ्फ बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष रहे जितेंद्र नारायण त्यागी (पहले का नाम वसीम रिजवी) ने अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद निरंजनी के अध्यक्ष और निरंजनी अखाड़े के सचिव श्रीमहंत रविंद्र पुरी महाराज से भेंट की।

मंगलवार को हुई इस भेंट को उन्होंने शिष्टाचार भेंट बताया। कहां की पूर्व में जेल में रहने के दौरान उनके मन में संन्यास इच्छा की भावना जागृत हुई थी। उनकी आज की मुलाकात इसी सिलसिले में है, क्योंकि वह जानना चाहते हैं कि इस्लाम छोड़कर हिंदू धर्म स्वीकार करने वाले व्यक्ति के लिए संन्यास लेने के क्या-क्या धार्मिक विधान हैं और उसे कौन-कौन से कर्मकांड करने होंगे।

उन्होंने स्पष्ट किया कि आज से पहले खुद के संन्यास लेने संबंधी उन्होंने कोई बयान नहीं दिया था। कहा कि कोर्ट के आदेश पर वह आज भी अधिकृत तौर पर कोई बयान नहीं दे रहे, वह सिर्फ निजी शिष्टाचार मुलाकात और अपनी जिज्ञासा शांत करने के लिए श्रीमहंत रविंद्र पुरी महाराज से भेंट करने निरंजनी अखाड़ा आए हैं। इस मौके पर उनके साथ स्वामी आनंद स्वरूप भी मौजूद रहे।

अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद निरंजनी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमहंत रविंद्र पुरी ने ज्ञानवापी में शिवलिंग मिलने की बात को हिंदू धर्म और हिंदू समाज को पहुंचाए गए नुकसान का प्रत्यक्ष उदाहरण बताया। उन्होंने पूर्ववर्ती सरकारों में इस सच को सामने ना लाने की बात को दुर्भाग्यपूर्ण बताया।

श्रीमहंत रविंद्र पुरी ने मुस्लिम समाज से हिंदू धर्म के हित में और सांप्रदायिक सौहार्द बनाए रखने के लिए ज्ञानवापी मस्जिद पर से अपना दावा छोड़ने का आह्वान भी किया। साथ ही उन्होंने मथुरा मामले में भी मुस्लिम समाज से इसी तरह के बर्ताव की अपेक्षा की। उन्होंने सपा नेता अखिलेश यादव को मौका परस्त बताया। कहा कि विधानसभा चुनाव के दौरान उन्हें सपने में भी भगवान श्री कृष्ण नजर आते थे पर चुनाव में मिली हार के बाद उन्होंने ज्ञानवापी और मथुरा आदि मामलों में चुप्पी साध ली है। आरोप लगाया कि अखिलेश यादव की यह हरकत बताती है कि हिंदू धर्म को लेकर उनकी आस्था और विश्वास सिर्फ वोट की राजनीति तक ही सीमित है।

दैनिक
न्यूज वायरस

न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, मेरठ के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक मौ. सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से मुद्रित एवं 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून (उत्तराखंड) से प्रकाशित।

सम्पादक :
मौ. सलीम सैफी
कार्यकारी सम्पादक
आशीष तिवारी
दूरभाष : 0135-2672002

email-dainiknewsvirus@gmail.com
RNI No.- UTTHIN/2012/44094

वाद-विवाद का न्याय क्षेत्र देहरादून न्यायालय मान्य होगा